शनिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
07 फरवरी 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 15
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00
दूनवैलीमेल
सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दून में पत्रकार पर हमला

❑बदमाशों ने दी जान से मारने की धमकी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून में खबर दिखाने को लेकर बदमाशों द्वारा पत्रकार पर हमले का मामला सामने आया है। हालांकि मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पत्रकारों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। हरिद्वार बाईपास रोड पर वरिष्ठ पत्रकार हेम भट्ट पर तीन अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। यह सनसनीखेज घटना एमकेपी क्रॉसिंग के पास शाम करीब 5.45 बजे उस समय हुई, जब पत्रकार हेम भट्ट बाइक से अपने घर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, स्कूटी पर सवार तीन युवक अचानक पत्रकार की बाइक को ओवरटेक कर आगे निकले और रास्ता रोक लिया। इसके बाद तीनों ने मिलकर हेम भट्ट के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में उनके चेहरे और नाक के नीचे गंभीर चोटें आई हैं।

बताया जा रहा है कि हमले क दौरान बदमाशों ने पत्रकार को खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि "आप बहुत ज्यादा खबरें दिखा रहे हैं, अगर अपनी खबरों को कंट्रोल नहीं किया तो अगली

बार जान से मार देंगे।" यह बयान सीधे तौर पर प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला माना जा रहा है। जब घटनास्थल पर आसपास के लोग जमा होने लगे, तो हमलावर गाली-गलौज करते हुए मौके से फरार हो गए।

स्थानीय लोगों ने घायल पत्रकार की मदद की, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमले के बाद पत्रकार हेम भट्ट ने डालनवाला थाना, देहरादून में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने पूरे घटनाक्रम, धमकियों और हमलावरों के भागने का विवरण पुलिस को सौंपा है। हालांकि पुलिस का कहना हैं कि बदमाश हमलावरो को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

राजधानी देहरादून ही नहीं इन दिनों पूरे राज्य या देश में पत्रकारों के उत्पीड़न किये जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी है। जबकि इन मामलों में पुलिस प्रशासन मौन दिखायी देने के कई वीडियो सोशल मीडिया मे जारी हो चुके है। सवाल यह है कि आखिर इन बदमाशो को संरक्षण कौन दे रहा है यह पुलिस प्रशासन और शासन को देखने की जरूरत है।

युवती पर चापड़ से हमले की खबर तथ्यहीनः एसएसपी

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून के पटेलनगर क्षेत्र में युवती पर चापड़ से हमले की सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खबर को पुलिस ने सिरे से खारिज कर दिया है।

पुलिस के अनुसार यह मामला किसी धारदार हथियार से हमले का नहीं, बल्कि नशे की हालत में दो पक्षों के बीच हुई आपसी मारपीट का है, जिसमें युवती घायल हुई। पुलिस के अनुसार 4 फरवरी की रात को कोतवाली पटेलनगर को सूचना मिली कि चंद्रबनी चौक के पास स्थित एक कैफे में दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया है। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

जांच में सामने आया कि माही पुत्री हरीश जेटली, निवासी गांध ीग्राम गुरुद्वारा रोड, देहरादून अपने साथियों के साथ कैफे में बर्थडे पार्टी मना रही थी। सभी लोग नशे की हालत में थे। इसी दौरान कैफे में मौजूद दूसरे पक्ष, जिसमें आयुष रावत व अन्य युवक शामिल थे, से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद दोनों पक्ष

कैफे के बाहर सड़क पर आ गए, जहां आपस में मारपीट हो गई। इस दौरान युवती माही के सिर पर चोट आई। घायल अवस्था में युवती को दून अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया।

पुलिस के अनुसार मेडिकल रिपोर्ट में डॉक्टरों ने युवती के सिर पर किसी हार्ड व ब्लंट ऑब्जेक्ट से चोट लगना बताया है। रिपोर्ट में किसी भी प्रकार के धारदार हथियार या चापड़ से हमला होने की पुष्टि नहीं हुई है। इसके साथ ही मेडिकल रिपोर्ट में युवती द्वारा शराब के सेवन का भी उल्लेख किया गया है। घटना के संबंध में युवती के भाई द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर युवती पर चापड़ से हमले की खबरें भ्रामक और तथ्यहीन हैं। मेडिकल रिपोर्ट इस तरह के किसी भी हमले की पुष्टि नहीं करती। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

दून वैली मेल

संपादकीय

सर्विलांस के सहारे मित्र पुलिस

उत्तराखण्ड की मित्र पुलिस मात्र सर्विलांस के सहारे ही चल रही है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं यह बात जगजाहिर हो चुकी है बड़े अपराध करने वाले लोग मित्र पुलिस की इसी चूक का फायदा उठाने में जुटे हुए है। इस मामले में अगर राजधानी देहरादून की की जाये तो यहां बीते एक सप्ताह के भीतर तीन महिलाओं की हत्या कर दी गयी थी। जिसमें से दो हत्यारोपियों को मित्र पुलिस द्वारा सर्विलांस के सहारे दबोच कर सलाखो के पीछे भेज दिया गया है। लेकिन तीसरे हत्यारोपी की तलाश आज घटना के 16 दिन बीत जाने के बाद भी मित्र पुलिस नहीं कर पा सकी है। पुलिस का यह कहना है कि हत्यारोपी चचेरा भाई मोबाइल नहीं रखता है इसलिये उसकी लोकेशन तलाश कर पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि क्या मित्र पुलिस सही ढर्रे पर काम करती है उसके पास पहले की तरह मुखबिर तंत्र क्यों नहीं है? इस बात का खुलासा पहले के मुखबिर तंत्र के कुछ लोगों का नाम ना छापने की शर्त पर किया जाता है। उनका कहना कहना है कि कुछ वर्ष पूर्व जब पुलिस के एक मुखबिर द्वारा एक स्थान पर गौंवश की हत्या किये जाने की सूचना जब पुलिस यानि (एसओजी) का दी गयी थी तो पुलिस ने वहां से गौमांस बरामद कर उस आरोपी से पैसे खा लेने के बाद मुखबिर की जानकारी आरोपी का दे दी गयी। जिसके बाद आज तक पुलिस के उस मुखबिर के परिवार का पता नहीं चल सका है। ऐसे में मित्र पुलिस को किसी भी बड़े अपराध की सूचना देने को कोई तैयार क्यों होगा? अब ऐसे में सवाला उठना लाजमी है कि अगर अपराधी मोबाइल फोन नहीं रखता है तो क्या मित्र पुलिस उसे पकड़ने का दम नही रखती है? क्या पुलिस को अपने मुखबिर तंत्र को फिर से सक्रिय करने की जरूरत नहीं है।

नाबालिगों से काम कराने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। नाबालिगों से काम कराने पर पुलिस ने दो प्रतिष्ठानों के मालिकों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी सुरेश उनियाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए कहा कि उसने गीता नगर में वैष्णीवी सोफा फिनिशिंग के व गौरव टायल के यहां देखा कि वहां पर नाबालिगों से काम कराया जा रहा है। जिसके बाद पुलिस ने विजेन्द्र कुमिार व गौरव निषाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट करने पर बहू-बेटे सहित चार पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट करने पर पुलिस ने बेटे बहू सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदेश्वर नगर निवासी किरण शर्मा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके बेटे ललित, उसकी पत्नी शीला, उसके पुत्र कपिल शर्मा व पुत्रवधु आरती शर्मा के द्वारा उसके साथ आये दिन मारपीट गाली गलौच की जाती है। तथा उक्त लोगों ने उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोड जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुल्लावाला निवासी अमित सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गये थे। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से चांदी के जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पेंशन कार्ड बनाने का झांसा देकर उडाये ढाई लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। पेंशन कार्ड बनाने का झांसा देकर खाते से ढाई लाख रूपये उडाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर डांडा निवासी सतीश कुमार सिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी कॉल करने वाले ने अपने आपको सीडीसी बेलापुर महाराष्ट्र का बताकर एसबीआई पेंशन कार्ड बनाने के नाम पर एसबीआई खाते से आईएफसी कोर्ड प्राप्त कर उसके खाते से दो लाख 61 हजार रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्तरायणी कौथिक महोत्सवः 175 से अधिक स्टालों में दिखी महिला समूहों की मेहनत व हुनर की झलक

संवाददाता

देहरादून। चार दिवसीय उत्तरायणी कौथिक महोत्सव में175 से अधिक स्टालों में महिला समूहों की मेहनत व हुनर की झलक दिखायी दी।

आज यहां राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित चार दिवसीय उत्तरायणी कौथिक महोत्सव 2026 न केवल सांस्कृतिक उत्सव का केंद्र रहा, बल्कि यह आयोजन ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, कौशल और आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी भी बन गया। सेवा संकल्प फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य महोत्सव में विकासखंड रायपुर की दुर्गा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को हिलान्स कैंटीन के माध्यम से किचन एवं भोजन व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। यह जिम्मेदारी महिलाओं के लिए अपने कार्य कौशल को प्रदर्शित करने और बड़े मंच पर अपनी पहचान बनाने का सुनहरा अवसर बनी। दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने पारंपरिक, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन तैयार कर न केवल कलाकारों और अतिथियों की प्रशंसा प्राप्त की, बल्कि अपने उत्कृष्ट स्वाद से सभी का दिल भी जीत लिया। मुख्यमंत्री, मुख्य अतिथि एवं जिला प्रशासन द्वारा भी उनके कार्य की सराहना की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं देहरादून जिला प्रशासन द्वारा हिलान्स कैंटीन को राज्य स्तर पर पहचान दिलाने की पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। जिलाधिकारी सविन बंसल के प्रयासों से महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चूपानी और आईएसबीटी जैसे प्रमुख चार स्थानों पर 'हिलांस कैंटीन-कम-किचन' आउटलेट्स संचालन का जिम्मा महिला समूह को दी गई है। यह पहल महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका सृजन का सशक्त उदाहरण बन रही है। दुर्गा स्वयं सहायता समूह की सदस्य शिवानी थापा ने सेवा संकल्प फाउंडेशन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे मंच मिलने से उन्हें बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि बड़े आयोजनों में कार्य करने से न केवल मनोबल बढ़ता है, बल्कि अपनी अलग पहचान स्थापित करने का अवसर भी मिलता है। खंड विकास अधिकारी रायपुर अपर्णा बहुगुणा ने बताया कि दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ कोरोनेशन अस्पताल में हिलान्स कैंटीन के माध्यम से मरीजों एवं उनके तीमारदारों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही हैं। इसके अतिरिक्त रायपुर ब्लॉक में बेकरी यूनिट का संचालन भी समूह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है और उनके लिए आजीविका के नए मार्ग प्रशस्त हो रहे हैं। कोरोनेशन अस्पताल में संचालित हिलान्स कैंटीन में चार महिलाएँ कार्यरत हैं, जिससे समूह को प्रतिमाह एक से डेढ़ लाख रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। यह आय न केवल उनके परिवारों को आर्थिक संबल दे रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान कर रही है। दुर्गा स्वयं सहायता समूह की यह यात्रा साबित करती है कि यदि महिलाओं को अवसर, मंच और विश्वास दिया जाए, तो वे न केवल अपने जीवन को संवार सकती हैं, बल्कि समाज और प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

बिना पुलिस की जानकारी के विदेशी नागरिकों को रुकवाने पर होटल मालिक पर मुकदमा

संवाददाता

उत्तरकाशी। बिना पुलिस की जानकारी के फार्म सी भरे बगैर विदेशी नागरिक को रूकवाने पर पुलिस ने होटल मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

मिली जानकारी के अनुसार विदेशी नागरिकों के होटल में ठहराने की जानकारी पुलिस को न देने पर कोतवाली बडकोट पुलिस द्वारा होटल स्वामी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। माह दिसम्बर 2025 के अन्त में कोतवाली बडकोट क्षेत्र के दोबाटा में एक होटल स्वामी द्वारा पुलिस, एलआईयू के बिना जानकारी तथा बिना फॉर्म सी भरे 11 विदेशी नागरिकों को अपने होटल में रुकवाया गया था।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देश पर कोतवाली बडकोट पुलिस द्वारा उक्त मामले में गहन छानबीन के उपरान्त 6 फरवरी 2026 को होटल शिवम, दोबाटा बडकोट के मालिक के विरुद्ध बिना पुलिस की जानकारी के होटल में 11 विदेशी नागरिकों ठहराने पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में अग्रिम विधिक/विवेचनात्मक कार्यवाही जारी है।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि बडकोट क्षेत्र के एक होटल में बिना पुलिस की जानकारी के 11 विदेशी नागरिकों को ठहराने पर होटल स्वामी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आगे की विवेचनात्मक कार्यवाही जारी है, मामले मे साक्ष्य व तथ्यों के आधार होटल स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 भारत में विदेशियों के प्रवेश, निवास और निकास को विनियमित करने वाले पुराने कानूनों को एकीकृत और आधुनिक बनाता है। इसका उद्देश्य जाली दस्तावेजों और विदेशी नागरिकों की डिजिटल निगरानी के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। भारत में किसी भी होटल, रिसॉर्ट, होमस्टे या गेस्ट हाउस में विदेशी नागरिकों के ठहरने पर होटल स्वामी को इसकी सूचना पुलिस या संबंधित स्थानीय अभिसूचना के अधिकारियों को देना अनिवार्य है। यह सूचना विदेशी नागरिक के आगमन के 24 घंटे के भीतर फॉर्म सी के माध्यम से ऑनलाइन पोर्टल पर देनी होती है। उत्तरकाशी पुलिस द्वारा होटल, रेस्टोरेंट, धर्मशाला आदि की लगातार चैकिंग तथा होटल, रेस्टोरेंट पर ठहरने वाले लोगों/पर्यटकों/आगुन्तकों तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उनके द्वारा सभी होटल/रेस्टोरेन्ट स्वामियों से अपील करते हुये बताया गया कि चारधाम यात्रा 2026 निकट है, सभी अपने-अपने होटल/रेस्टोरेन्ट/धर्मशाला आदि पर रुकने वाले पर्यटक/आगुन्तक/तीर्थयात्रियों का विवरण व आई कार्ड आदि के साथ विदेशी नागरिकों का रजिस्ट्रेशन/फॉर्म ब जरुर भरें। यह सुरक्षा व आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश हेतु बेहद जरुरी है।

तीन माह में ही उखड़ गई 18 लाख की सीसी सड़क

विकासनगर(आरएनएस)। हरबर्टपुर नगर पालिका की ओर से अवस्थापना विकास निधि से करीब 18 लाख रुपये से बनाई गई सड़क तीन माह में ही उखड़ गई। निर्माण के दौरान शिकायत के बाद भी पालिका अधिकारियों ने बिना निरीक्षण के ही सड़क को पास कर इसका भुगतान कर दिया। जिससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। वार्ड चार के सभासद विनोद कश्यप ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। दरअसल, नगर पालिका परिषद हरबर्टपुर की ओर से अप्रैल 2025 में अवस्थपना विकास निधि से 19 कार्यों के टेंडर निकाले थे। जिसको लेकर सात सभासदों ने पहले भी आपत्ति जताई थी। इसके बाद भी नगर पालिका ने बिना बोर्ड के अनुमोदन के ही इन कार्यों का कार्य आदेश ठेकेदारों को कर दिए। इस निधि के तहत वार्ड नंबर चार आसनबाग में मौसम सिंह के मकान से यासीन की दुकान तक सीसी सड़क निर्माण कार्य किया गया। जिसकी अनुमादित लागत करीब 18 लाख रुपये थी। लेकिन निम्न गुणवत्ता की निर्माण सामग्री के प्रयोग से यह सड़क तीन माह में ही बुरी तरह उखड़ गई है। वार्ड चार के सभासद विनोद कश्यप ने बताया कि सड़क निर्माण के समय में ही ठेकेदार, वर्क्स सुपरवाइजर तथा अवर अभियन्ता के समक्ष घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग पर विरोध जताया था। निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की निर्माण सामग्री के प्रयोग को लेकर अधिशासी अधिकारी व अध्यक्ष को लिखित शिकायत भी की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बताया कि कार्य पूर्ण होने के अगले ही दिन बिना उन्हें सूचना दिए निर्माण कार्य पर निरीक्षण में कार्य सन्तोषजनक पाये जाने की रिपोर्ट लगाकर खानापूर्ति कर दी गई। आरोप लगाया कि बिना निरीक्षण के ही सड़क निर्माण का भुगतान भी कर दिया। सभासद ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर अवस्थापना निधि हुए सड़क निर्माण की जांच की मांग की है। उधर, पालिका के जेई अनूप रावत ने कहा कि सड़क का निर्माण बरसात में किया गया था। सड़क बनते ही मना करने के बाद ही उस पर यातायात शुरू हो गया था। इसलिए सड़क कुछ जगह उखड़ हुई है। बाकी सड़क की गुणवत्ता ठीक है।

अब एक ही जगह मिलेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

कोटद्वार(आरएनएस)। बेस अस्पताल आने वाले मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सक के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। दरअसल अस्पताल प्रशासन ने ओपीडी कक्ष अलग-अलग करने के बजाय एक ही स्थान पर कर दी है। राजकीय बेस अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड को ओपीडी से बिल्कुल अलग बेसमेंट में रखा है। वहीं, प्रथम तल पर ओपीडी सेक्शन बने हैं। यहां प्रमुख तौर पर बाल रोग, अस्थि रोग, सर्जन, फिजिशियन की ओपीडी संचालित होती है। अब तक बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हरेंद्र सिंह, डॉ. कुसुमा रावत की ओपीडी ही पास-पास कक्षों में संचालित हो रही थी। अब अस्पताल प्रशासन ने बाल रोग, अस्थि रोग, सर्जन, फिजिशियन की ओपीडी को विभागवार पास-पास स्थापित कर दिया है। अस्थि विभाग के अंतर्गत अब कक्ष संख्या 128 में डॉ. अभिषेक जैन, कक्ष संख्या 129 में डॉ. वीसी काला, सर्जन ओपीडी में कक्ष संख्या 117 में डॉ. मयंक नौटियाल, कक्ष संख्या 118 में डॉ. सतीश कुमार उपलब्ध होंगे। वहीं, बाल रोग विभाग में कक्ष संख्या 105 में डॉ. कुसुमा रावत, कक्ष संख्या 106 में डॉ. हरेंद्र सिंह मिलेंगे। फिजिशियन डॉ. जेसी ध्यानी कक्ष संख्या 104 और डॉ. शिवम नेगी 124 में आमने-सामने उपलब्ध होंगे। अस्पताल पहुंचे मरीज नंदलाल, घसीटा, मो. शुएब, जयकृत का कहना था कि एक रोग से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सक एक ही जगह पर मिलने से सुविधा हुई। आयुष्मान कार्ड से संबंधी कार्य व जानकारी भी ओपीडी सेक्शन के आसपास ही तो बेहतर होगा। मरीजों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एकसमान विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओपीडी को पास-पास स्थापित करने से निश्चित ही मरीजों को आसानी होगी। -डॉ. विजय सिंह, प्रमुख चिकित्सक अधीक्षक, बेस अस्पताल कोटद्वार।

बहुउद्देश्यीय शिविर में छाई रही राजस्व विभाग की शिकायतें

विकासनगर(आरएनएस)। जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार के तहत कालसी ब्लॉक के न्याय पंचायत कोरूवा में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 43 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें से छह शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। शिविर में अधिकांश शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रही। बहुउद्देश्यीय शिविर में सबसे ज्यादा राजस्व विभाग की 23, पेयजल विभाग की पांच, लोनीवि और पीएमजीएसवाई की पांच, शिक्षा विभाग की दो, सिंचाई, उद्यान, विद्युत, दूर संचार, समाज कल्याण, खाद्य आपूर्ति विभाग आदि से जुड़ी कुल 43 शिकायतें दर्ज हुई। राजस्व से जुड़ी शिकायतों का जल्द निस्तारण करने के आदेश ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आईएएस डॉ. हर्षिता सिंह ने दिए। शिविर में लगभग 25 विभागों द्वारा स्टाल लगाए। जिसमें शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सभी विभागों की जानकारी दी गई। बहुउद्देश्यीय शिविर में उपस्थित बतौर नोडल अधिकारी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चकराता आईएएस डॉ. हर्षिता सिंह ने सभी विभागों की स्टाल का निरीक्षण किया और बहुदेशीय शिविर में उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। बहुउद्देश्यीय शिविर में खंड विकास अधिकारी कालसी जगत सिंह, ब्लॉक प्रमुख सावित्री चौहान, तहसीलदार चकराता प्रदीप सिंह, सहायक विकास अधिकारी पंचायत धर्मपाल सिंह तेजवान सहित लगभग 70 विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद रहे।

विकसित भारत बनाने में एसआरएचयू की सशक्त भूमिका:विनय शंकर पाण्डेय

ऋषिकेश(आरएनएस)। स्वामीराम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जौलीग्रांट में एसीआईसी-एसआईआईसी (अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर-एसआरएचयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर) का उद्घाटन किया गया।

मुख्य अतिथि सचिव, उद्योग विभाग विनय शंकर पांडेय ने कहा कि विकसित भारत के लिए नवाचार को बढ़ावा देना जरूरी है। एसआरएच्यू में नवाचार केंद्र की स्थापना विकसित भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गुरुवार को विवि परिसर में संस्थापित स्किल सेंटर में एसीआईसी-एसआईआईसी के नए भवन का उत्तराखंड सरकार के सचिव विनय शंकर पांडेय और एसआरएचयू के अध्यक्ष डॉ.विजय धस्माना, कुलपति डॉ.राजेंद्र डोभाल ने संयुक्त रुप से किया। सचिव विनय शंकर पांडेय ने कहा कि आत्मनिर्भरता के बिना विकसित भारत की परिकल्पना संभव नहीं है। इसके लिए स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना आवश्यक है।

उन्होंने राज्यभर के युवाओं से आह्वान किया कि वह एसआरएचयू की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे मंच का लाभ उठाकर रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ें। एसआरएचयू के अध्यक्ष डॉ.विजय धस्माना ने कहा कि स्टार्टअप को सफल बनाने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं होते, बल्कि समुदाय (कम्युनिटी) को साथ जोड़ना आवश्यक है। एसआरएचयू नवाचार को बढ़ावा देगा और युवाओं को उद्यमिता के लिए सशक्त बनाएगा। एसआरएचयू के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल ने कहा कि विवि विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि उनके कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता की समझ विकसित करने पर भी निरंतर कार्य कर रहा है।

अटल इनोवेशन मिशन के कार्यक्रम निदेशक परमित दास ने कहा कि देशभर में नवाचार की संस्कृति को सशक्त किया जा रहा है। डॉ. अमजद हुसैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, स्टार्टअप को मार्गदर्शन प्रदान करना तथा युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाना है। इस दौरान विवि के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, स्टार्टअप प्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यूकेडी ने रैली निकाल गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग की

चमोली(आरएनएस)। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने देवाल बाजार में रैली निकाली और गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने रैली के माध्यम से लोगों से यूकेडी को मजबूत करने की अपील की। रैली में खेता, बलाण, मानमती, घेस, सुयालकोट घाटी व पिंडर के कई गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। लोगों ने जय पहाड़, जय पहाड़ी... के नारे भी लगाए। इसके बाद ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन करते हुए हेम चंद्र मिश्रा को अध्यक्ष चुना गया। यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री चंद्र मोहन गड़िया के नेतृत्व में आयोजित रैली में कार्यकर्ताओं ने गैरसैंण को प्रदेश की स्थायी राजधानी बनाने की मांग की। यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री चंद्र मोहन गड़िया ने कहा कि प्रदेश के लोगों में अब भाजपा और कांग्रेस पार्टी से मोह भंग हो गया है। ऐसे में अब लोग यूकेडी पर अपना भरोसा जता रहे हैं। हर दिन लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। निश्चित ही 2027 के चुनावों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक में ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन करते हुए हेम चंद्र मिश्रा को ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया।

10 से क्रमिक अनशन की दी चेतावनी

पौड़ी(आरएनएस)। ब्लॉक की ग्राम पंचायत पाब अकरी में न्याय पंचायत सेमी सेमला के जनप्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं का समाधान न किए जाने पर जनप्रतिनिधियों ने 10 फरवरी से पाब अकरी में क्रमिक अनशन शुरू करने की चेतावनी दी। इसके बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आमरण अनशन किया जाएगा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य महिपाल सिंह बुटोला की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने न्यूली पेयजल योजना का पुनर्गठन न करने, अकरी बारजूला पंपिंग पेयजल योजना से पर्याप्त पेयजल आपूर्ति न होने, सेल से मट्ठूरगांव मार्ग का निर्माण न किए जाने समेत कई समस्याओं पर आक्रोश जताया। कहा कि शासन-प्रशासन ने क्षेत्र की इन समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया है। इस कारण क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। बैठक में अकरी बारजूला संघर्ष समिति के संरक्षक कुंजकृष्ण डंगवाल, अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, सचिव प्रेम सिंह नेगी, संयोजक राकेश कोहली, संजय देव डंगवाल, प्रधान अंकिता, जगदीश लाल, कुलदीप मियां व क्षेत्र पंचायत सदस्य सुशील चंद्र आदि मौजूद थे।

गैरसैंण अस्पताल में विशेषज्ञ मिले तो होने लगा उपचार

चमोली(आरएनएस)। गैरसैंण अस्पताल की सेहत में सुधार होने लगा है। विभाग ने यहां चार विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात कर दिए हैं। इनमें महिला रोग विशेषज्ञ ने बीते सप्ताह की कार्यभार लिया है। ऐसे में अब लोगों को अस्पताल में उपचार मिलने की उम्मीद बंध गई है। ग्रीष्मकालीन राजधानी के अस्पताल गैरसैंण में सुविधाओं के लिए लोग आंदोलित थे। बीते वर्ष लोगों ने कई बार यहां प्रदर्शन किया। इसके बाद यहां बाल रोग विशेषज्ञ और हड्डी रोग विशेषज्ञ की तैनाती हुई। बीते माह ही अस्पताल में महिला रोग और निश्चेतक की तैनाती कर दी गई है। विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में ग्रामीणों को उपचार के लिए 50 किमी दूर कर्णप्रयाग और 70 किमी से अधिक दूर रानीखेत जाना पड़ता था। सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि गैरसैंण में हाल ही में शासन ने महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती की थी। इस पर बीते सप्ताह महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा ने अस्पताल में तैनाती दे दी है। इससे पहले यहां निश्चेतक ने भी कार्यभार ग्रहण कर लिया था। जबकि बाल रोग और हड्डी रोग विशेषज्ञ पहले ही तैनात थे।

जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों के बारे में जाना

ऋषिकेश(आरएनएस)। एम्स ऋषिकेश में डायग्नॉस्टिक टेक्निक्स-जूनोटिक एवं वायरल पैथोजेन्स पर आयोजित कार्यशाला में जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों और वायरल रोग जनकों की पहचान के लिए डायग्नास्टिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के रिसर्च कार्यों से जुड़े एमएससी छात्र-छात्राओं, पीएचडी स्कॉलर्स और माइक्रोबायलोजिस्टों ने प्रतिभाग किया। वायरोलॉजी रिसर्च एंड डायग्नॉस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) और वन हेल्थ प्रोग्राम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को पीसीआर, एलिसा, बायोसैफ्टी प्रोटोकॉल्स, लैब-आधारित परीक्षणों एवं उभरते संक्रमणों की रोकथाम रणनीतियों पर प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने वन हेल्थ पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक महामारी से निपटने के लिए वन हेल्थ एप्रोच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य संकट तेजी से उभर रहा है। ऐसे में मानव, पशु और पर्यावरण के स्वास्थ्य को एक साथ देखने की आवश्यकता है। प्रो प्रतिमा गुप्ता ने कहा कि अत्याधुनिक नैदानिक पद्धतियों का यह व्यावहारिक प्रशिक्षण चिकित्सीय अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ संक्रामक रोगों की रोकथाम को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रो. योगेन्द्र प्रताप मथुरिया ने बताया कि संस्थान की प्रयोगशाला में उपलब्ध पीसीआर और एलिसा जैसी विधियां रोगजनकों की त्वरित और सटीक पहचान में सहायक हैं, जो रोग नियंत्रण व उपचार के लिए ठोस आधार प्रदान करती हैं। एम्स में वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरेटरी (वीआरडीएल) प्रयोगशाला अत्याधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाओं से लैस है। कार्यशाला में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग सत्र आयोजित किए गए। साथ ही मौजूदा दौर में उभरते वायरल संक्रमणों और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला को चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी सत्याश्री सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी संबोधित किया।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सडन्, जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सडन् दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे-धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सडन् दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सडन् की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे-धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती है; ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सडन् की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सडन् हो चुकी है। दांतों में सडन् के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सडन् पैदा करने के लिए काफी हैं।

आयुर्वेद में दांतों की सडन् से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सडन् की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।

दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो-कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।

चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी हैं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है। इसके साथ ही दांतों के लिए विटामिन सी भी जरूरी है; इसके लिए दिन में एक समय किसी खट्टे फल का सेवन जरूर करें। यह भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

तनाव दूर कर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है प्रसारित पादहस्तासन, ये सावधानी भी जरूरी

शारीरिक हो या मानसिक हर समस्या का समाधान योगासन में छिपा है। तन और मन दोनों को सेहतमंद रखने वाले ऐसे ही एक आसन का नाम प्रसारित पादहस्तासन या प्रसारित पादोत्तानासन है, जिसे वाइड-लेग्ड फॉरवर्ड बेंड भी कहा जाता है। यह आसन पैरों को फैलाकर आगे झुकने से शरीर की कई मांसपेशियों को गहरा खिंचाव देता है और मन को शांत करता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित अभ्यास से लचीलापन बढ़ता है, तनाव कम करता है और पूरा शरीर सेहतमंद रहता है। मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा के अनुसार, प्रसारित पादहस्तासन अभ्यास के लिए योग मैट पर ताड़ासन पोज में सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैर जोड़कर, हाथ शरीर के साथ रखें। सांस अंदर लें और पैरों को 3-4 फीट (या अपनी ऊंचाई के अनुसार 4-5 फीट) दूर फैलाएं। पैर समानांतर रखें, एडियां बाहर की ओर और पैर के अंगूठे थोड़े अंदर की ओर रखें। इस दौरान हाथों को कमर पर रखें। छाती को आगे की ओर रखें। सांस छोड़ते हुए कमर से आगे झुकें। इस दौरान सांस अंदर लें और धीरे से वापस आएं।

प्रसारित पादहस्तासन के अभ्यास से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। जांघों, कूल्हों और पीठ में गहरा खिंचाव मिलता है, जिससे लचीलापन बढ़ता है। रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है, पीठ दर्द में राहत मिलती है। पाचन क्रिया सुधरती है और कब्ज दूर होता है।

मस्तिष्क में रक्त संचार बढ़ता है, तनाव, चिंता में लाभ मिलता है। पैर, टखने और कोर मसल्स मजबूत होते हैं। साथ ही थकान दूर होती है, मन शांत रहता है और ऊर्जा बढ़ती है।

प्रसारित पादहस्तासन अभ्यास के दौरान सावधानियां भी जरूरी हैं। पीठ में गंभीर चोट, हाई या लो ब्लड प्रेशर, ग्लूकोमा, घुटने/कूल्हे की समस्या वाले लोग बिना योग विशेषज्ञ की सलाह के न करें। गर्भवती महिलाएं भी ध्यान रखें। यह आसन सुबह खाली पेट करने से अधिक फायदेमंद होता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं स्टार्टअप

पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है।

भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। आज उद्यमिता एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुकी है, जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है और विकास व रोजगार सृजन का नया इंजन बन रही है।

यह परिवर्तन रातोंरात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे।

16 जनवरी 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप इंडिया ने लंबा सफर तय किया है। स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आईटी सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। यह व्यापकता विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और मजबूती को दर्शाती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नवाचार और एआई- पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव नवाचार और गहन तकनीक पर बढ़ते ध्यान के रूप में देखा गया है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुँच गई है, और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। प्रधानमंत्री की डिजिटल इंडिया पहल के आधार पर एआई स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई है, तथा इंडिया एआई मिशन और रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। बौद्धिक संपदा के निर्माण में तेज़ वृद्धि इस प्रवृत्ति को और मजबूत करती है। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

अखिल भारतीय विकास- उद्यमिता को देशभर में मिल रहा समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 2016 में केवल चार राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जो संस्थागत समर्थन की मजबूती और जमीनी स्तर की भागीदारी को दर्शाता है।

अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है।

समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मेट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

लोकल से ग्लोबल- जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाज़ार बनती जा रही है। वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए स्टार्टअप इंडिया ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाई हैं। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इज़राइल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाज़ार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं।

स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, न्यूज़ीलैंड और इज़राइल की मेरी हालिया यात्राओं में स्टार्टअप्स भारत के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का अहम हिस्सा रहे। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारतीय नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर दिया, साथ ही हमारे उद्यमियों को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार और व्यापारिक कार्यप्रणालियों से परिचित कराया।

अंतत- भारत की स्टार्टअप यात्रा- हमारे युवा उद्यमियों पर विश्वास, नीति-आधारित विकास और दुनिया के लिए नवाचार करने की भारत की क्षमता की कहानी है। 2047 तक एक विकसित देश बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, स्टार्टअप्स समृद्ध, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते रहेंगे।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

शब्द सामर्थ्य -035

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

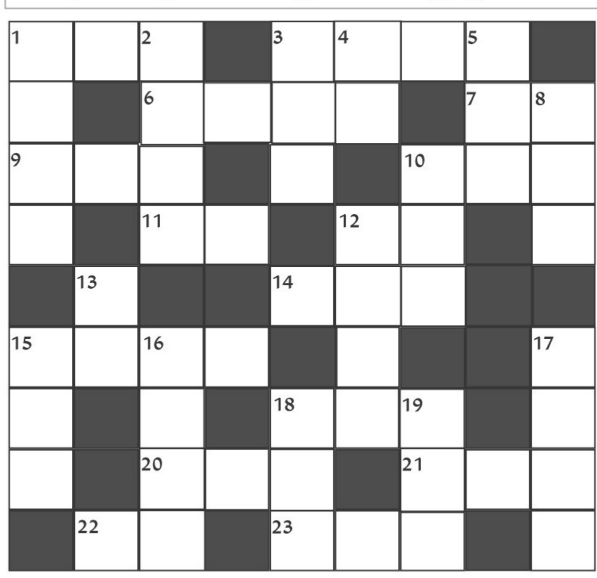

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 34 का हल

ज	ल	■ 3	आ	वा	जा	ही	■ 6	■ 4
मा	■	खू	ब	■ 8	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■ 10	ल	क्ष्य
■ 12	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■ 12	वी	रा	न	■	■ 15	च	ट	क
■ 17	र	ब	■ 18	आ	ज	क	ल	■
■	■ 17	■ 21	आ	ग	■ 19	दा	ना	■
■ 23	अ	ग	र	म	ग	र	■ 23	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■ 26	■	व	ध

एक-दूजे के इश्क में डूबे नजर आए सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म दो दीवाने सहर में का शानदार टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे देख आपको पुरानी फिल्मों की लव स्टोरी याद आ जाएगी। इस अनोखे रोमांटिक ड्रामा का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह एक ऐसी प्रेम कहानी है जो कई रोमांटिक और इमोशनल पलों से भरपूर है, जहां पहले लुक ने हमें दो अधूरे लोगों के बीच की एक परफेक्ट लव स्टोरी दिखाई है तो वहीं टीजर एक ऐसे मॉडर्न रोमांस की भी झलक पेश की, जो बहुत ही खूबसूरत है। एक अच्छी पुरानी रोमांटिक फिल्म दर्शकों को इम्प्रेस करने में कभी फेल नहीं होती और शायद ये फिल्म भी सभी को पसंद आए।

डायरेक्टर रवि उदयावर इस वैलेंटाइन्स डे पर दो दीवाने सहर में लेकर आ रहे हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अपनी आने वाली इम्परफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी से दर्शकों को दीवाना बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दो दीवाने सहर में के टीजर की शुरुआत एक सीधे-सादे, शर्मीले लड़के शशांक से होती है, जो रोशनी के घर पर उनके माता-पिता के साथ बैठा है। ऐसा लगता है कि वह अरेंज मैरिज के जरिए अपनी होने वाली दुल्हन से मिलने आया है, लेकिन रोशनी अपने होने वाले पति और घर के इस फॉर्मल माहौल को देखकर खुश हो जाती है। निर्माताओं ने वीडियो शेयर कर लिखा, क्योंकि हर इश्क परफेक्ट नहीं होता, पर काफी होता है। गवाह इस शहर की एक अपूर्ण परफेक्ट प्रेम कहानी। रवि उद्यावर द्वारा डायरेक्टेड यह आने वाली फिल्म जी स्टूडियोज, रेनकॉर्प मीडिया और भंसाली प्रोडक्शंस द्वारा बनाई जा रही है। फिल्म में सिद्धांत और मृणाल लीड रोल में हैं। उनके साथ इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, संदीप धर, नवीन कौशिक और कई अन्य कलाकार भी हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि दो दीवाने शहर में 20 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

वेंकटेश और त्रिविक्रम की फिल्म आदर्श कुटुंबम की रिलीज़ डेट आगे बढ़ी

विक्ट्री वेंकटेश, हरिका हसीन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म आदर्श कुटुंबम इनटू नंबर 47 के लिए डायरेक्टर त्रिविक्रम के साथ काम कर रहे हैं। हिट फिल्म संक्रांति की वस्थुन्नम के बाद फैंस इस पावरफुल जोड़ी से और भी ज्यादा उम्मीदें लगाए बैठे हैं। त्रिविक्रम, जिन्होंने वेंकटेश की पिछली हिट फिल्में नुव्वु नाकु नच्चाव और मल्लेश्वरी की स्क्रिप्ट लिखी थी, इस प्रोजेक्ट को बड़ी उम्मीदों के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है, जिसका मकसद शुरू में 2026 की गर्मियों में रिलीज़ करना था। लेकिन इंडस्ट्री में चल रही खबरों के मुताबिक, इसमें बदलाव हो सकता है और दशहरा 2026 की रिलीज़ ज्यादा बेहतर हो सकती है, जिससे फेस्टिव फैमिली ऑडियंस को टारगेट किया जा सके। प्रभास की फौजी भी 2026 के आखिर में रिलीज़ होने वाली है, इसलिए ट्रेड सूत्रों का मानना है कि आदर्श कुटुंबम के लिए दशहरा एक सुरक्षित दांव हो सकता है। केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी, वेंकटेश के साथ जोड़ी बना रही हैं, और हिट 3 और तेलुसु कदा जैसी अपनी तेलुगु फिल्मों से एक्साइटमेंट बढ़ा रही हैं। आदर्श कुटुंबम के बाद, वेंकटेश शायद एक यंग लीड के साथ किसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं, जबकि त्रिविक्रम संक्रांति की वास्थुन्नम से भी बड़ी हिट का लक्ष्य बना रहे हैं। त्रिविक्रम का अगला बड़ा प्लान, एनटीआर के साथ एक माइथोलॉजी फिल्म, शायद अभी पीछे चला जाए क्योंकि एनटीआर नील के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। त्रिविक्रम एनटीआर सागा के तुरंत शुरू होने की उम्मीद नहीं है। एक दमदार कास्ट और डायरेक्टर के साथ, आदर्श कुटुंबम एक फैमिली एंटरटेनर बनने जा रही है जिसे देखना चाहिए।

अजय देवगन ने दिखाई एआई निर्मित बाल तन्हाजी की पहली झलक

अजय देवगन साल 2020 में आई अपनी सुपरहिट फिल्म तान्हाजीः द अनसंग' वॉरियर की कहानी एक बार फिर लेकर आ रहे हैं। हालांकि, इस बार ये कहानी एक नए अंदाज में पेश की जाएगी। क्योंकि अजय देवगन और निर्माता दानिश देवगन ने अपने लेंस वॉल्ट स्टूडियोज (एलवीएस) के तहत आई निर्मित फिल्म %बाल तन्हाजी' की घोषणा की है। 2020 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म तन्हाजीः द अनसंग वॉरियर' की ही दुनिया पर आधारित बाल तन्हाजी' इस फिल्म की दुनिया को अनछुए पहलुओं की ओर ले जाएगी। यह एक एआई फिल्म होगी। यह कहानी को एक ऐसी पीढ़ी के लिए नए सिरे से प्रस्तुत करेगी, जो सिनेमाघरों से परे कहानियों में रुचि रखती हैइस मौके पर अजय देवगन ने कहा कि यह फिल्म स्टूडियो के भविष्य के लिए तैयार प्रोजेक्ट्स के निर्माण की दिशा में पहली शुरुआत है। लेंस वॉल्ट स्टूडियो की स्थापना कहानी कहने की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए की गई थी। हमारा ध्यान उन फॉर्मेट और मीडियम पर है, जो अभी तक काफी हद तक अनछुए हैं। बाल तन्हाजी भविष्य के लिए तैयार कंटेंट निर्माण की इस यात्रा की शुरुआत है। साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म %तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है।

कश्मीर में शूटिंग से उत्साहित निहारिका चौकसे, बोलीं- अनु-आर्य का प्रपोजल सीक्वेंस होगा यादगार

टीवी एक्ट्रेस निहारिका चौकसे को जीटीवी के लोकप्रिय शो तुम से तुम तक में दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। शो में प्यारी और मासूम अनु का किरदार निभा रही निहारिका ने हाल ही में कश्मीर में हुई शूटिंग को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। यूनिट ने कश्मीर के खूबसूरत लोकेशन पर शूटिंग की, जहां बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल ने सीन्स को और भी शानदार बना दिया। निहारिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारी कश्मीर ट्रिप बहुत अच्छी चल रही है। हम यहां अभी तीन और दिनों के लिए हैं और यह शेड्यूल बहुत खास होने वाला है। इसमें शो के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले पलों में से एक दिखाया जाएगा यानी अनु (निहारिका) और आर्य (शरद केलकर) का प्रपोजल।

उन्होंने आगे बताया, आने वाले एपिसोड्स में दर्शक अनु को आर्य सर को बचाते हुए देखेंगे। सभी इमोशनल उतार-चढ़ाव के बाद, आर्य सर आखिरकार अपनी फीलिंग्स जाहिर करेंगे और अनु को प्रपोज करेंगे। यह उनकी जर्नी में एक बहुत महत्वपूर्ण और खूबसूरत मोड़ है। पूरी टीम इसे यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

कश्मीर के बारे में निहारिका ने बताया कि यह उनकी पांचवीं या छठी ट्रिप है। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं कश्मीर आती हूं, तो यह उतना ही नया लगता है। कश्मीर सच में मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है और धरती पर स्वर्ग जैसा लगता है। बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल हमारे सीन्स में चार चांद लगा देते हैं।

खाने के बारे में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, हम लोकल खाने का भी मजा ले रहे हैं और बेशक, मैं बहुत सारी मैगी खा रही हूं। इस ठंड में गर्म कटोरी मैगी का स्वाद बहुत शानदार और सुकून देने वाला होता है। शॉट्स के बीच गर्म चीज पीना और नजारों का मजा लेना बहुत अच्छा लग रहा है।

शो में अनु और आर्य को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। निहारिका ने फैंस से अपील की, मैं अपने सभी फैंस से कहना चाहूंगी कि आपका इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। अनु और आर्य एक साथ आ रहे हैं और प्रपोजल सीक्वेंस बहुत रोमांटिक और इमोशनल होने वाला है। यह शो के सबसे खूबसूरत पलों में से एक होगा, इसलिए इसे मिस न करें और आने वाले एपिसोड्स के लिए बने रहें।

तस्करी में प्रिया बनकर छाई जोया अफरोज

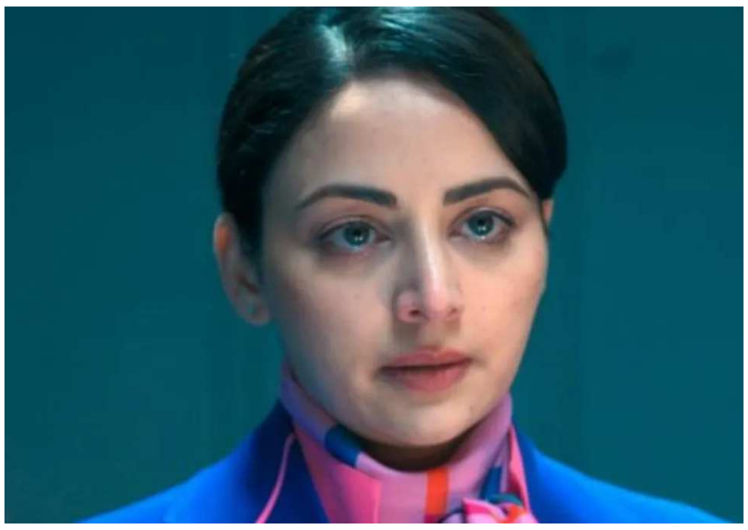

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज तस्करी में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। तस्करी को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है। जोया अफरोज ने कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म हम साथ-साथ हैं के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया।

जोया ने बताया कि फिल्म कुछ ना कहो समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा।

जोया ने कहा, इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज तस्करी जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

तस्करी में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है। जोया ने कहा, यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। प्रिया कोई साधारण महिला पात्र नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी है।

इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुभव साझा करते हुए जोया ने कहा, जब मुझे तस्करी का ऑफर मिला, तब मैं असम में अपने ननिहाल में थी। अचानक कॉल आया। मैंने बिना किसी गारंटी के तुरंत बैग पैक किया और हजारों किलोमीटर का सफर तय कर ऑडिशन के लिए पहुंचीं। उसी दिन मेरा लुक टेस्ट हुआ और मुझे फाइनल कर लिया गया। अगले ही दिन वर्कशॉप और फिर शूटिंग शुरू हो गई। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।

उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से आत्मनिर्भर बनी जानकी जानोटी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद अल्मोड़ा के विकासखंड हवालबाग की ग्राम पंचायत खत्याड़ी निवासी जानकी जानोटी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। घरेलू दायरे तक सीमित जीवन से निकलकर उन्होंने आजीविका संवर्धन के जरिए न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ की है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरक उदाहरण भी कायम किया है। जानकी जानोटी वर्ष 2021 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित जिज्ञासा स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह गठन से पहले आय के सीमित साधनों के कारण उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। सरकारी योजनाओं की जानकारी मिलने के बाद स्वयं सहायता समूह से जुड़ाव ने उनके लिए नए अवसर खोले। इसके बाद उनके समूह का रिद्धीका ग्राम संगठन तथा विकास स्वायत सहकारिता खत्याड़ी (क्लस्टर) के रूप में विस्तार हुआ। सक्रिय सहभागिता और नेतृत्व क्षमता के चलते जानकी जानोटी को प्रमुख महिला के रूप में चुना गया। मिशन के तहत समूह को रिवॉल्विंग फंड और सामुदायिक निवेश कोष से कुल 65 हजार रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई। साथ ही सामुदायिक क्रेडिट लिंकेज के अंतर्गत 1.50 लाख रुपये की ऋण सीमा भी स्वीकृत की गई। आजीविका कौशल को मजबूत करने के लिए आरसेटी हवालबाग के माध्यम से टेडी बियर निर्माण तथा एनआरएलएम के तहत जूट बैग निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद वर्ष 2023 में सामुदायिक निवेश कोष और क्रेडिट लिंकेज की सहायता से विकास स्वायत सहकारिता खत्याड़ी के अंतर्गत जूट उत्पाद निर्माण का कार्य शुरू किया गया। इसी क्रम में 'हिमान्या आउटलेट' की स्थापना की गई, जहां वर्तमान में जानकी जानोटी सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। जूट उत्पादों के निर्माण और बिक्री से उन्हें प्रतिवर्ष न्यूनतम एक लाख 14 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। उनके कार्य और योगदान को देखते हुए 5 जून 2025 को विकास स्वायत सहकारिता खत्याड़ी में उच्च अधिकारियों द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया गया।

अभियान के तहत 20 तक लगेंगे शिविर

रुद्रपुर(आरएनएस)। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत जिले में 20 फरवरी तक समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। डीएम नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि 9 फरवरी को विकासखंड खटीमा अंतर्गत सनातन धर्मशाला, 10 को सितारगंज के बन्नाखेड़ा स्थित शिव मंदिर के पास प्रांगण, 11 को नगर पंचायत परिसर नानकमत्ता, 13 को गदरपुर के वार्ड संख्या-3 पार्किंग परिसर, 16 को जसपुर नगर पंचायत स्थित मंगल बाजार के बारातघर, 17 को काशीपुर नगर निगम परिसर, 18 को बाजपुर के चीनी मिल परिसर और 20 फरवरी को नगर निगम रुद्रपुर में शिविर आयोजित किया जाएगा। डीएम ने लोगों से शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

सू- दोकू क्र.035

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.34 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन पर सख्ती, निजी वाहनों के सत्यापन के निर्देश

देहरादून(आरएनएस)। राज्य में स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन को लेकर उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना की अध्यक्षता में इस विषय पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोग कार्यालय में हुई।

आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि कई ऐसे निजी वाहन, जैसे वैन, ऑटो, ई-रिक्शा व विक्रम स्कूलों द्वारा अधिकृत किए बिना बच्चों को लाने-ले जाने का कार्य कर रहे हैं, जो सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर विषय है। ऐसे सभी निजी वाहनों को आरटीओ से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने, उनका नियमित सत्यापन कराने तथा ड्राइवरों का पूरा विवरण और मानसिक स्थिति की जांच रिपोर्ट स्कूलों में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने निजी स्कूल वाहनों की पहचान के लिए 'येलो स्ट्रिप' लगाने का सुझाव भी दिया, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि वाहन में स्कूली बच्चे यात्रा कर रहे हैं। साथ ही कहा गया कि प्रत्येक स्कूल के पास यह रिकॉर्ड होना चाहिए कि उसके छात्र किस परिवहन माध्यम से स्कूल आते-जाते हैं। बैठक में जनपद बागेश्वर की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए अन्य जनपदों को उसी तर्ज पर कार्य करने के निर्देश दिए गए। आयोग ने सभी जनपदों से आ रही चुनौतियों और सुझावों को साझा करने को भी कहा।

अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि स्कूल बसों को एक्सीडेंट रिलीफ फंड से आच्छादित किया जाए तथा बड़े स्कूलों को अपने परिसर में पार्किंग की अनिवार्य व्यवस्था करनी होगी, ताकि सड़कों पर जाम और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। खनन से जुड़ी भारी गाड़ियों के संचालन को स्कूल समय से समन्वित करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में देहरादून से आयोग सचिव डॉ.शिव कुमार बरनवाल, अनु सचिव डॉ.सतीश कुमार सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. अनीता चमोला, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी पंकज श्रीवास्तव उपस्थित रहे, जबकि अन्य जनपदों के अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

उत्तराखंड में स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन को लेकर आयोग जल्द ही व्यापक गाइडलाइन तैयार करेगा। इसके लिए निकट भविष्य में एक और बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें मुख्य शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, आरटीओ, एआरटीओ और पेरेंट्स एसोसिएशन को शामिल किया जाएगा। डॉ.गीता खन्ना ने बताया कि आयोग का उद्देश्य स्कूल ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में एकरूपता लाना, निजी वाहनों की निगरानी मजबूत करना और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। इस बैठक के बाद राज्यभर में लागू होने वाली स्पष्ट और प्रभावी गाइडलाइन जारी की जाएगी।

11 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया

रुद्रपुर(आरएनएस)। श्री शिव कांवर सेवा समिति ने श्री रामलीला मैदान में 11 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, नगर पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। मौनी बाबा शिव मंदिर से 11 रथों में सजे-धजे दूल्हे बारात संग निकले। रामलीला मैदान पहुंचने पर दुल्हन पक्ष के परिजनों, रिश्तेदारों व क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर बारातियों का स्वागत किया। इसके बाद जयमालाओं के साथ वैवाहिक रस्में संपन्न हुईं। समिति के महंत आनंद बोरा के नेतृत्व में समिति के पदाधिकारियों ने सभी जोड़ों को गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों का भी सहयोग रहा।

सीवरेज सिस्टम से जुड़ेंगे नई टिहरी शहर के छूटे पांच हिस्से

नई नई टिहरी(आरएनएस)। नगर के छूटे पांच हिस्सों को सीवरेज सिस्टम से जोड़ने की कवायद जल्द शुरू होने की उम्मीद है। करीब 74 करोड़ की लागत से शहर का सीवरेज सिस्टम ठीक किया जाएगा। जिला मुख्यालय के एम ब्लॉक, ढुंगीधार, केमसारी, मुस्लिम मोहल्ला, के ब्लॉक अब तक सीवरेज सिस्टम से वंचित हैं। यहां पर रहने वाले लोग लंबे समय इन हिस्सों को सीवरेज सिस्टम से जोड़ने की मांग करते आ रहे हैं। धन के अभाव के कारण यह स्थान सीवरेज सिस्टम से जुड़ने से वंचित रह गए थे। सरकार ने नई टिहरी, भागीरथी पुरम, कोटी कॉलोनी और टिहरी झील के विकास के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) सहायता प्राप्त टिहरी झील विकास परियोजना से नई टिहरी शहर के छूटे हिस्सों को सीवरेज सिस्टम जोड़ने के लिए पर्यटन विभाग को करीब 74 करोड़ की धनराशि उपलब्ध करवाई है जिससे शहर के छूटे सभी पांचों हिस्सों को जोड़ने के लिए करीब 10 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन बिछेगी। साथ ही भागीरथी पुरम में पांच एमएलडी का नया सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का नवनिर्माण किया जाएगा।

वर्ष 2005 में टीएचडीसी ने शहर का निर्माण कार्य पूरा करने के बाद प्रशासन और नगर पालिका को शहर हैंडओवर कर दिया था। पांचों क्षेत्रों सीवरेज सिस्टम से जुड़ने के बाद के स्थानीय लोगों की परेशानी दूर होने के साथ जल संस्थान और नगर पालिका को भी राहत मिलेगी। नई टिहरी शहर में सीवरेज सिस्टम से वंचित पांच पॉकेटों को सीवरेज सिस्टम से जोड़ने के लिए एडीबी से पर्यटन विभाग को धन प्राप्त हो गया है।

पर्वतीय कृषि में आय बढ़ाने पर जोर, किसानों को दिया उच्च मूल्य वाली फसलों का प्रशिक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से चमोली जिले के किसानों के लिए पर्वतीय कृषि के लिए उच्च मूल्य वाली फसलें और संबंधित उद्यम विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 2 से 4 फरवरी तक संस्थान परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें चमोली जनपद के वान गांव से आए 30 किसानों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों को ऐसी फसलों और उद्यमों से जोड़ना था, जिनसे कम क्षेत्रफल में अधिक आय प्राप्त की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने व्याख्यानों, क्षेत्रीय प्रदर्शन और व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से किसानों को तकनीकी जानकारी और कौशल प्रदान किया। प्रशिक्षण का शुभारंभ 2 फरवरी को नोडल अधिकारी प्रशिक्षण डॉ. कुशाग्रा जोशी की उपस्थिति में हुआ। पहले दिन संस्थान की प्रमुख प्रौद्योगिकियों, जड़ी-बूटियों के उत्पादन और संरक्षण, जैविक खाद निर्माण, कीट प्रबंधन तथा पर्वतीय क्षेत्रों में संभावनाशील फसलों के उत्पादन पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

किसानों को संस्थान के संग्रहालय, अभियांत्रिकी कार्यशाला और प्रायोगिक खेतों का भी भ्रमण कराया गया। 3 फरवरी को संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकांत की उपस्थिति में किसानों के साथ पर्वतीय कृषि प्रणाली पर संवाद आयोजित किया गया। उन्होंने बदलते जलवायु परिदृश्य में पर्वतीय कृषि को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए आधुनिक तकनीकों, विशेषकर डिजिटल विपणन और बाजार खोज की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। इस दिन एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि यंत्रीकरण, सब्जियों की संरक्षित खेती और मशरूम उत्पादन तकनीक पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें पर्यावरण प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी मिली। प्रशिक्षण के अंतिम दिन किसानों को प्रगतिशील कृषकों के खेतों में ले जाया गया, जहां उन्होंने उन्नत खेती के प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किए। इस अवसर पर किसानों से संवाद कर प्रशिक्षण को लेकर उनकी प्रतिक्रियाएं ली गईं और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में अर्जित ज्ञान के प्रसार के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन नोडल अधिकारी डॉ. कुशाग्रा जोशी की उपस्थिति में प्रतिभागियों की प्रतिपुष्टि, प्रशिक्षण उपरांत आकलन और प्रमाण पत्र वितरण के साथ किया गया।

फैक्ट्री में लगी आग की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

संवाददाता

देहरादून। बालाजी इंडस्ट्रीज में लगी आग की मजिस्ट्रेटी जांच शुरू हो गयी।

आज यहां उप जिलाधिकारी विकासनगर ने अवगत कराया है कि बालाजी इंडस्ट्रीज फैक्ट्री सेलाकुई में 14 दिसम्बर 2025 को आग लग गई थी। अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग की टीम द्वारा मौके पर उपस्थित रहते हुए राहत बचाव कार्य किया गया। उक्त घटना की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि उक्त घटना के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कुछ कहना है तो वह मौखिक या लिखित रूप से 13 फरवरी 26 तक उप जिलाधिकरी विकासनगर न्यायालय / कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य / पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चन्द्रबनी चौक से भूतोवाला चौक की तरफ जा रहे एक व्यक्ति को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 6.77 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम रोहित देशवाल पुत्र कन्हैया लाल देशवाल निवासी अपर तुनवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गोदान फिल्म के जरिए जानी गो-संस्कृति की महिमा

हल्द्वानी(आरएनएस)। पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार के विद्यार्थियों ने हल्द्वानी स्थित मॉल में विद्या भारती द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम के तहत प्रेरणादायी फिल्म गोदान देखी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय सनातन धर्म और गो-संस्कृति के महत्व से रूबरू कराना था। फिल्म प्रदर्शन के बाद विद्यालय प्रबंध समिति के व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि पूजनीय गोमाता है, जिनमें 33 करोड़ देवताओं का वास माना गया है। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि गाय का दूध और घी जहां पोषण के लिए अमूल्य हैं, वहीं गोबर और गोमूत्र जैविक खेती व पर्यावरण संरक्षण के आधार हैं। विद्यार्थियों ने अहिंसा, करुणा और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत और गो-संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

एसपी सिटी ने कोतवाली का निरीक्षण किया

हल्द्वानी(आरएनएस)। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार कत्याल ने कालाढूंगी कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने कोतवाली स्टाफ के साथ बैठक कर क्षेत्र के सभी हिस्ट्रीशीटरों पर कड़ी नजर रखने और आम नागरिकों से बेहतर तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी सिटी ने कहा कि कोई भी फरियादी निराश होकर वापस न जाए। पुलिस का कर्तव्य है कि हर व्यक्ति को न्याय मिले। उसकी समस्या को गंभीरता से सुना जाए। उन्होंने रात्रि गश्त, बैंक एवं एटीएम ड्यूटी की व्यवस्था की भी समीक्षा की। क्षेत्र में फैल रहे नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि नशेड़ियों के अड्डों को चिह्नित कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए। मालखाना, शस्त्रागार, बंदीगृह एवं बैरकों का निरीक्षण कर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। पुराने वाहनों से संबंधित लंबित मामलों के निस्तारण एवं उनकी नीलामी कराने के भी निर्देश दिए गए।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शोध अध्यादेश को मंजूरी

हल्द्वानी(आरएनएस)। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में शोध परिषद की चतुर्थ बैठक आयोजित हुई। इसमें शोध अध्यादेश-2026 के प्रारूप पर चर्चा कर सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया गया। बैठक में सदस्य सचिव एवं निदेशक शोध प्रो. गिरिजा पांडे, अतिरिक्त निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने कार्यसूची एवं विभिन्न शोध नीतियों को सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। सहायक निदेशक डॉ. एसएन ओझा ने शोध अध्यादेश 2026 का प्रारूप रखा। बैठक में दून विवि के डॉ. एचसी पुरोहित, कुमाऊं विवि के प्रो. गोपाल नंद साहू, इग्नू के प्रो. जयदीप शर्मा ने विवि की शोध नीतियों की सराहना की। उपनिदेशक शोध प्रो. पीके सहगल, सहायक निदेशक डॉ. एसएन ओझा, शोध अधिकारी करिश्मा आदि मौजूद रहे।

एसटीएफ की कार्रवाई: प्रवीन बाल्मीकि गैंग का गुर्गा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने प्रवीन बाल्मीकि गैंग के गुर्गे विजय को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि प्रवीण वाल्मीकि गैंग के सम्बन्ध में पिछले माह में प्राप्त गोपनीय सूचना और प्रार्थना पत्र के आधार पर एसटीएफ ने जांच करने के पश्चात 27 अगस्त 2025 को एसटीएफ की ओर से थाना गंगनहर पर कुख्यात गैंगस्टर प्रवीण वाल्मिकी उसका भतीजा मनीष बॉलर, पंकज अष्टवाल आदि 06 लोंगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया। इस प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुये पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड द्वारा मामले की जांच एसटीएफ को सुपुर्द की गयी। जिसके पश्चात इस प्रकरण में पहली बार वाल्मिकी गैंग के 02 सदस्यों मनीष बॉलर और पंकज अष्टवाल निवासी ग्राम सुनेहरा थाना गंगनहर जनपद हरिद्वार को थाना गंगनहर क्षेत्र में दबीश मारकर गिरफ्तार किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा इस मामले में जानकारी देते हुए बताया गया कि रुड़की क्षेत्र के ग्राम सुनेहरा के रहने वाले श्याम बिहारी की वर्ष 2014 में मृत्यु हो गई थी जिसकी करोड़ो रुपए की बेशकीमती संपत्ति ग्राम सुनेहरा क्षेत्र में स्थित है श्याम बिहारी की मृत्यु के पश्चात इस संपत्ति की देखभाल उसका छोटा भाई कृष्ण गोपाल कर रहा था वर्ष 2018 में प्रवीण वाल्मीकि गैंग द्वारा इस संपत्ति को कब्जा करने की नियत से कृष्ण गोपाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके पश्चात इस संपत्ति की देखभाल श्याम बिहारी की पत्नी रेखा द्वारा की जाने लगी तो प्रवीण वाल्मीकि द्वारा रेखा को धमकाकर संपत्ति अपने नाम पर करने के लिए दबाव बनाया गया परंतु वह नहीं मानी तो उसके भाई सुभाष पर वर्ष 2019 में अपने भतीजे मनीष बॉलर व उसके साथियों के साथ गोली चलवायी गई। इसके बाद रेखा व कृष्ण गोपाल की संपत्ति को प्रवीण वाल्मिकी व उसके सदस्यों द्वारा फर्जी रेखा व कृषण गोपाल की पत्नी स्नेहलता बनाकर फर्जी पॉवर अटार्नी तैयार की गई तथा इन सम्पत्तयों को आगे बेचा गया इस काम में मनीष बॉलर का सहयोगी पंकज अष्टवाल था जिसने रेखा की फर्जी पावर अटार्नी अपने नाम करवाकर करोंड़ो मूल्य की सम्पत्ति को खुर्द बुर्द कर आगे बेचा । प्रवीण वाल्मीकि गैंग का इतना भय था कि इस परिवार ने अपनी जान माल की रक्षा के लिए किसी से कोई भी शिकायत नहीं दर्ज कराई गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ आरबी चमोला के निकट पर्यवेक्षण एसटीएफ की टीम द्वारा जांच के दौरान प्रकाश में आये एक अन्य विजय कुमार पुत्र राजेश कुमार निवासी गंगनहर, रूड़की जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार विजय द्वारा उक्त प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार वॉछित ईनामी आकाश सक्सेना जिससे आरोपी की अच्छी दोस्ती थी, जिसके कहने पर वह पूर्व में मनीष बॉलर, अंकित, राजकुमार, मोनिका व पकंज अस्टवाल से मिला था और पैंसो के लालच में आकर रूड़की क्षेत्रान्तर्गत जमीनो की अवैध खरीद-फरोख्त में पंकज अष्टवाल को की गयी फर्जी पॉवर आफ अर्टानी में सुमित कुमार की जगह फर्जी आई.डी. (आधार कार्ड) व अपनी फोटो लगाकर विजय कुमार द्वारा फर्जी गवाही की गयी। उक्त मुकदमें में अब तक घटना में संलिप्त कुल 07 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। विवेचना प्रचलित है।

भूमि धोखाधड़ी मामले में जांच अधिकारी सस्पेंड

हमारे संवाददाता

नैनीताल। भूमि धोखाधडी के मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस के आलाधिकारियों ने सख्ती दिखाकर बड़ी कार्यवाही की गयी है। धनंजय गिरी से जुड़े बहुचर्चित भूमि धोखाधड़ी प्रकरण में लापरवाही और मिलीभगत सामने आने पर विवेचक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं पीड़ितों को धन वापसी दिलाने के लिए विशेष जांच टीम को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है।

भूमि से जुड़े मामलों की पारदर्शी और प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन स्तर पर लैंड फ्रॉड समिति का गठन किया गया है, जो गढ़वाल एवं कुमाऊँ मंडल के आयुक्तों के अधीन कार्य कर रही है। पुलिस महानिरीक्षक, कुमाऊँ परिक्षेत्र द्वारा सभी जनपदों को निर्देश जारी करते हुए जिला स्तर पर गठित सभी टीमों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। जांच में सामने आया कि कुछ जिला स्तरीय में पुलिस कर्मियों की संलिप्तता की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, जिसे गंभीरता से लिया गया। अब कोई भी नया भूमि धोखाधड़ी मामला सामने आने पर उसकी प्रारंभिक जांच संबंधित क्षेत्राधिकारी द्वारा की जाएगी, जिसके बाद अग्रिम कार्रवाई तय की जाएगी।

बता दें कि पिछले दो माह में अभियुक्त धनंजय गिरी के विरुद्ध कई पीड़ितों ने परिक्षेत्र कार्यालय में शिकायतें दर्ज कराई।

जांच के दौरान सामने आया कि विवेचक की लापरवाही और मिलीभगत के कारण अभियुक्त को लाभ मिला, जिसके चलते उ.नि. अनिल कुमार, चौकी भोटियापड़ाव को निलंबित कर दिया गया।

राज्य गीत को ठंडे बस्ते में डालना उत्तराखंड का अपमान: कांग्रेस

राज्य-गीत की उपेक्षा से आहत हूं: गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी

हमारे संवाददाता

देहरादून। देहरादून में बल्लीवाला चौक स्थित वैडिंग पॉइंट में कांग्रेस द्वारा "उत्तराखंड के राज्य-गीत की वर्षगांठ कार्यक्रम" का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने किया। उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता, लोक चेतना और देवभूमि की आत्मा को स्वर देने वाला राज्य का आधिकारिक गीत "उत्तराखंड देवभूमि-मातृभूमि" आज सरकारी उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। यह वही राज्य गीत है, जिसे 6 फरवरी 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत द्वारा राज्य की जनता को समर्पित किया गया था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि बीते लगभग दस वर्षों से वर्तमान भाजपा सरकार ने इस राज्य गीत को जानबूझकर भुलाने और हाशिये पर डालने का काम किया है।

यह राज्य गीत प्रख्यात गीतकार हेमंत बिष्ट (नैनीताल) के सारगर्भित शब्दों, गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी के संगीत निर्देशन एवं स्वर तथा अनुराधा निराला की सशक्त आवाज से सुसज्जित है। राज्य गीत के चयन हेतु गठित समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मण सिंह बटरोही थे, जिसमें स्वयं नरेंद्र सिंह नेगी भी सदस्य रहे। यह गीत उत्तराखंड की लोक संस्कृति, आस्था, प्रकृति और परंपराओं का जीवंत दस्तावेज है।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर के संयोजन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य गीत को पुन: सार्वजनिक रूप से गाया और बजाया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल की गरिमामयी उपस्थिति रही, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी ने की। इस अवसर पर गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी ने भावुक होते हुए राज्य गीत की कुछ पंक्तियां गायी और कहा कि "यह गीत मैंने अपने राज्य के लिए बनाया। इसके लिए मैंने सरकार से एक रुपया भी नहीं लिया, क्योंकि यह मेरी मातृभूमि के प्रति सेवा थी। लेकिन जिस प्रकार इस गीत को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, वह अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं व्यक्तिगत रूप से राज्य-गीत की उपेक्षा से बहुत आहत हूं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि "राज्य गठन के 15 वर्षों बाद उत्तराखंड को उसकी पहचान देने वाला राज्य गीत मिला था। यह किसी एक सरकार का नहीं, बल्कि पूरे राज्य की धरोहर है। किंतु संकीर्ण राजनीतिक सोच और श्रेय लेने की होड़ में भाजपा सरकार ने इसे भुला दिया, जो उत्तराखंड की भावना के साथ अन्याय है।"

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि "राज्य गीत को दबाना दरअसल उत्तराखंड की सांस्कृतिक चेतना को दबाने जैसा है। राज्य की अस्मिता से जुड़े हर प्रतीक को वर्तमान सरकार दफन करना चाहती है। इस गीत में किसी दल का महिमा-मंडन नहीं है, फिर राज्य सरकार को इससे क्या आपत्ति है? उन्होने कहा कि क्या उत्तराखंड की पहचान सिर्फ चुनावी नारों तक सीमित है? क्या राज्य की संस्कृति, भाषा और भावनाओं का कोई मूल्य नहीं? आखिर किस डर या द्वेष के कारण राज्य गीत को सरकारी कार्यक्रमों से गायब कर दिया गया?" कार्यक्रम के संयोजक कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि "कांग्रेस यह स्पष्ट करती है कि राज्य गीत किसी दल का नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड का है। इसकी अनदेखी देवभूमि की आत्मा के साथ किया गया अपराध है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

नाबालिक के साथ शिक्षक ने की अश्लील हरकत, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। झबरेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले नाबालिग छात्र के साथ शिक्षक ने अश्लील हरकत कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार झबरेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण का नाबालिग बेटा एक पब्लिक स्कूल में कक्षा एक का छात्र है। बीते रोज वह स्कूल में गया था। आरोप है कि इसी दौरान एक शिक्षक ने उसके साथ अश्लील हरकत कर दी उसे गलत तरीके से छुआ।

छात्र ने घर जाकर इसकी जानकारी अपने परिवार के लोगों को दी इसका पता चलने पर परिवार के लोगों के पांव तले की जमीन खिसक गई। परिवार के लोग बच्चे को लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने छात्र का मेडिकल कराने के साथ ही मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी अजय शाह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मोटरसाईकिल के चालान का व्हटसएप आने पर खाते से उड़े एक लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल के चालान का व्हटसएप मैसेज खोलने पर खाते से एक लाख 27 हजार रूपये गायब हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथीबडकला निवासी मनोज कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर मोटरसाईकिल का चालान होने का व्हटसएप मैसेज आया। उसने मैसेज को जैसे ही खोला उसके खाते से एक लाख 27 हजार रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल की टक्कर से एक्टिवा सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। बुलेट मोटरसाईकिल की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरमौर पॉटा साहिब निवासी सुनील चन्द शर्मा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका दोस्त कपिल अपनी एक्टिवा से घर की तरफ जा रहा था जब वह शिमला बाईपास के पहुंचा तभी सामने से आ रहे बुलेट मोटरसाईकिल सवार ने उसकी एक्टिवा को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुख्यमंत्री ने फिल्म 'गोदान' को उत्तराखंड में टैक्स फ्री करने के निर्देश दिए

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किसान परंपरा, ग्रामीण जीवन और गोवंश के महत्व पर आधारित फिल्म 'गोदान' को उत्तराखंड में टैक्स फ्री करने के निर्देश दिए हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किसान परंपरा, ग्रामीण जीवन और गोवंश के महत्व पर आधारित फिल्म 'गोदान' को उत्तराखंड में टैक्स फ्री करने के निर्देश दिए हैं। यह फिल्म 6 फरवरी को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और समाज को भारतीय संस्कृति व परंपराओं से जोड़ने का संदेश देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय केवल धर्म और आस्था का विषय नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है। इस तरह की फिल्मों के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच और संवेदनशीलता विकसित होती है, इसलिए ऐसी फिल्मों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गोवंश संरक्षण को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में गोसदनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे निराश्रित और बेसहारा गोवंश की बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा सके। साथ ही गोपालकों और पशुपालकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार सामाजिक, सांस्कृतिक और जनहित से जुड़े विषयों पर बनी फिल्मों और रचनात्मक प्रयासों को भविष्य में भी प्रोत्साहन देती रहेगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।